



दर्शन में लोगों को आमंत्रित करना

Inviting People to the Vision

उद्देश्य (OBJECTIVE)

यीशु ने लोगों को उनके जीवन के लिए **उच्च उद्देश्य** में आमंत्रित किया, जबकि हम, एक नेता के रूप में, अक्सर लोगों को केवल **कार्यक्रम** में शामिल होने का निमंत्रण देते हैं।

यह प्रशिक्षण यह सिखाता है कि कैसे यीशु के द्वारा दिखाए गए व्यक्तिगत निमंत्रण के **नमूना** के माध्यम से **सशक्त और प्रभावशाली दल** बनाई जा सकती है।

यह दृष्टिकोण दूसरों में एक **जुनून** जगाता है, उन्हें स्वयं से बड़ी एक बुलाहट में प्रवेश करने को प्रेरित करता है, और उन्हें उनके **विशेष आत्मिक वरदानों** को उपयोग करने के लिए सक्षम बनाता है।

सशक्त दल का निर्माण तब होता है जब हम लोगों को सच में देखते हैं, उनके उपहारों को समझते हैं, और उन्हें किसी प्रोग्राम नहीं, बल्कि एक **बड़ी कहानी** में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

हर कोई चाहता है कि उसका जीवन मायने रखे — और सेवकाई में हमें लोगों को उनके **विश्वास और क्षमताओं को विकसित करने** का अवसर देना होता है।

सारांश (OVERVIEW)

- सेवकाई अकेले नहीं, बल्कि दल के रूप में करना सबसे प्रभावी होता है
- यीशु के निमंत्रण का नमूना:
 - जानबूझकर और व्यक्तिगत निमंत्रण
 - संबंधात्मक, न कि लेन-देन पर आधारित
- **व्यक्तिगत निमंत्रण की शक्ति:**
 - किसी कारण (Cause) के लिए बुलाना, प्रोग्राम के लिए नहीं
 - एक छोटा कदम उठाने के लिए बुलानालोगों को उनकी तैयारी के अनुसार आमंत्रित करना
- निमंत्रण की एक संस्कृति बनाना
- निरंतर निवेश करना
- दूसरों को भी निमंत्रण देने के लिए सशक्त बनाना

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- मत्ती 4:18-20

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. कभी आपने किसी से ऐसा व्यक्तिगत निमंत्रण पाया हो जिसने आपके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला हो? वह निमंत्रण प्रभावशाली क्यों था?

